भारत - बुरूंडी संबंध

बुरूंडी के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध मधुर हैं तथा भारत सरकार द्वारा बुरूंडी को प्रस्तावित विकास सहायता एवं क्षमता निर्माण पहल तथा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सभी प्रमुख मुद्दों पर परस्पर सहयोग इसकी खासियत है। बुरूंडी विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता है।

भारतीय उच्चायोग काम्पाला, युगांडा को उच्चायोग बुरूंडी की अतिरिक्त समवर्ती जिम्मेवारी सौंपी गई है। वर्ष 2009 में, बुरूंडी ने नई दिल्ली में अपना दूतावास स्थापित किया तथा 2010 में नई दिल्ली में अपने एक रेजीडेंट राजदूत की पोस्टिंग की।

उच्च स्तरीय दौरों का आदान - प्रदान

महामहिम राष्ट्रपति पीयरे नकुरूंजिजा ने सितंबर, 2012 में भारत का राजकीय दौरा किया।

नई दिल्ली में आयोजित जी ए वी आई (वैक्सीन एवं टीकाकरण के लिए वैश्विक गठबंधन) की तीसरी साझेदारी बैठक में भाग लेने के लिए दिसंबर, 2005 में जन स्वास्थ्य मंत्री श्री बर्नाबे मबोनिम्पा ने भारत का दौरा किया। बुरूंडी के मुख्य न्यायाधीश श्री एद्रिएन न्याकिए ने लखनऊ में एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिसंबर, 2005 में भारत का दौरा किया।

रक्षा मंत्री मेजर जनरल जर्मेन नियोयांकाना ने एक निजी यात्रा पर मई, 2006 में भारत का दौरा किया तथा माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री एम एम पल्लम राजू से मुलाकात की। बुरूंडी के द्वितीय उप राष्ट्रपति महामहिम (श्रीमती) मैरीन बारांपामा ने अक्टूबर, 2006 में भारत का दौरा किया तथा वह भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना पर सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में मानद अतिथि थी।

विदेश मंत्रालय की ओर से बुरूंडी की पहली उच्च स्तरीय यात्रा के रूप में माननीया विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने 17-18 फरवरी, 2012 को बुरूंडी का दौरा किया। यात्रा के दौरान राज्य मंत्री (पीके) ने बुरूंडी के महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात की। उन्होंने बुरूंडी के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की तथा भारत - बुरूंडी संबंध में वृद्धि करने पर विस्तार से चर्चा की। इस यात्रा के दौरान एक सामान्य सहयोग करार पर हस्ताक्षर किया गया। विदेश राज्य मंत्री के साथ एक बड़ा भारतीय कारोबारी शिष्टमंडल भी गया था जिसने बुरूंडी के कारोबारी नेताओं के साथ बैठकें की।

बुरूंडी के विदेश मंत्री श्री अगस्टिन नसांजे ने सी आई आई - एक्जिम बैंक भारत - अफ्रीका साझेदारी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए मार्च, 2010 में भारत का दौरा किया। यात्रा के दौरान, बुरूंडी के विदेश मंत्री ने साझेदारी शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री डा. शशि थरूर से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की।

जुलाई, 2010 में अफ्रीकी संघ (ए यू) शिखर बैठक के लिए सचिव (पश्चिम) की कंपाला यात्रा के दौरान उन्होंने अतिरिक्त समय में बुरूंडी के विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की।

बुरूंडी के महामहिम राष्ट्रपति श्री पियरे नकुरूंजिजा ने चिकित्सा उपचार के लिए सितंबर 2010 में भारत का निजी दौरा किया। सचिव (पश्चिम) ने 21 सितंबर, 2010 को राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की।

बुरूंडी के विदेश मंत्री श्री अगस्टिन नसांजे ने 18-19 फरवरी, 2011 को एल डी सी मंत्री स्तरीय सम्मेलन के लिए पुन: भारत का दौरा किया। उन्होंने 17 फरवरी, 2011 को विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की।

द्वितीय उप राष्ट्रपति श्री गेरवाइस रूफिकिरी के नेतृत्व में एक कारोबारी शिष्टमंडल ने मार्च, 2013 में सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया।

बुरूंडी सरकार में माननीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री डा. रोस गहिरू ने बुजुम्बुरा में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वी टी सी / आई सी) स्थापित करने के सिलसिले में एन एस आई सी के अधिकारियों से मिलने के लिए जून, 2013 में भारत का दौरा किया। उन्होंने तत्कालीन मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री शशि थरूर से शिष्टाचार मुलाकात भी की।

बुरूंडी सरकार में माननीय कृषि एवं पशुधन मंत्री श्रीमती काइटेसी ओडेट ने फिक्की द्वारा आयोजित एशिया - अफ्रीका कृषि व्यवसाय मंच में भाग लेने के लिए फरवरी, 2014 में भारत का दौरा किया।

माननीय वित्त एवं आर्थिक विकास आयोजन मंत्री श्री टाबु अब्दुल्लाह मनिराकिजा ने भारत के एक्जिम बैंक के साथ दो ऋण सहायता करार पर हस्ताक्षर करने के लिए फरवरी, 2014 में भारत का दौराकिया। पहला करार एक फार्म यंत्रीकरण परियोजना के लिए 4.22 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के लिए और दूसरा करार बुरूंडी में एक एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण कॉम्पलेक्स के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए 0.17 मिलियन अमरीकी डालर के लिए था।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत ने आई ए एफ एस-III के लिए राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को निमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में जुलाई 2015 में बुरूंडी का दौरा किया।

क्षमतावर्धन तथा विकास भागीदारी :-

बुरूंडी के साथ भारत की भागीदारी तीन स्तरों पर है, अर्थात अफ्रीकी संघ (ए यू) स्तर पर, क्षेत्रीय आर्थिक समतियों (आर ई सी) के स्तर पर और द्विपक्षीय स्तर पर। बुरूंडी को भारतीय सहायता 2008 और 2011 में भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठकों में भारत द्वारा की गई घोषणाओं पर मुख्य रूप से आधारित है।

पहली भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस-1) के बाद बुरूंडी को अफ्रीकी संघ द्वारा भारत - अफ्रीका व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वी टी सी) की मेजबानी के लिए नामित किया गया। यह केंद्र पूरा हो गया है, चालू कर दिया गया है तथा बुरूंडी के प्राधिकारियों को प्रशिक्षण देने के बाद अप्रैल, 2014 में उनको सौंप दिया गया है।

भारत आई ए एफ एस-1 में अपनी प्रतिबद्धताओं के तहत एक अखिल अफ्रीका संस्थान अर्थात भारत - अफ्रीका शैक्षिक आयोजना एवं प्रशासन संस्थान (आई ए आई ई पी ए) की भी स्थापना कर रहा है। आवश्यक सिविल कार्य लगभग पूरा हो गया है। कार्यान्वयन एजेंसियों को उम्मीद है कि 2015 तक यह संस्थान उद्घाटन के लिए तैयार हो जाएगा।

भारत ने बुरूंडी में एक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। बुरूंडी में सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर दोनों देशों की सरकारों के बीच अप्रैल, 2010 में किए गए। सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं।

दूसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस-2) में भारत सरकार द्वारा 40 बायोमास गैसीफायर सिस्टम की घोषणा की गई जिसमें से बायोमास गैसीफायर सिस्टम का एक क्लस्टर बुरूंडी में स्थापित किया जा रहा है। उम्मीद है कि इनसे गांवों में सस्ती एवं टिकाऊ बिजली उपलब्ध होगी जो एक गैस इंजन से संचालित होगी। भारत में कार्यान्वयन एजेंसी से विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा परियोजना के लिए संभाव्यता अध्ययन करने के लिए शीघ्र ही बुरूंडी का दौरा किए जाने की उम्मीद है।

आईएएफसए-2 में, भारत ने अन्य बातों के साथ 8 फार्म विज्ञान केंद्रों (एफ एस सी) का भी प्रस्ताव किया जो आठ आर ई सी में से प्रत्येक के लिए एक हैं। फार्म विज्ञान केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर) की एक नवाचारी संस्था है जिसने 1974 से भारत में फार्म स्तर पर प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्वी अफ्रीकी समुदाय द्वारा ऐसे एक एफ एस सी के लिए बुरूंडी को चुना गया है। केंद्र स्थापित करने के लिए बुरूंडी द्वारा प्रस्तावित साइटों का निरीक्षण करने के लिए भारत से एक टीम शीघ्र ही बुरूंडी जाने वाली है।

सहायता अनुदान :

बुरूंडी सरकार से प्राप्त एक अनुरोध के आधार पर 4,37,547 अमरीकी डालर (चार लाख सैंतीस हजार पांच सौ सैंतालीस अमरीकी डालर) मूल्य की दवाओं की दो खेप की आपूर्ति बुरूंडी के अंदर शरणार्थी शिविरों में वितरण के लिए जून और जुलाई, 2010 में बुरूंडी को की गई।

भारत सरकार द्वारा बुजुम्बुरा में बुरूंडी सरकार के प्रमुख राजस्व अर्जन बाजार में आग लग जाने की वजह से बुरूंडी सरकार के समक्ष उपस्थित वित्तीय संकट को देखते हुए न्यूयार्क में बुरूंडी के स्थाई मिशन को कारगर ढंग से काम करने में मदद करने के लिए 1,00,000 अमरीकी डालर का सहायता अनुदान जारी किया गया।

भारत ने फरवरी, 2014 में बाढ़ को ध्यान में रखते हुए बुरूंडी को आपदा राहत के रूप में 1,00,000 अमरीकी डालर की सहायता भी प्रदान की है।

आर्थिक संबंध :

भारत ने बुरूंडी को फार्म यंत्रीकरण परियोजना के लिए 4.22 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहातया की पेशकश की है। 0.17 मिलियन अमरीकी डालर की दूसरी ऋण सहायता बुरूंडी में 38.16 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से एक एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण कॉम्पलेक्स के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रस्तुत की गई है।

भारत सरकार ने 20 मेगावाट की काबु जल विद्युत परियोजना के लिए 80 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता पद्रान की है। भारत के एक्जिम बैंक तथा बुरूंडी सरकार के बीच एक व्यवस्था पर हस्ताक्षर मई, 2011 में किए गए। बुरूंडी के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री गेरवाइस रूफिकिरी ने अगस्त, 2012 में इसकी आधारशिला रखी। अब 69.86 मिलियन अमरीकी डालर की अतिरिक्त लागत से इस परियोजना को 30 मेगावाट का करने का प्रस्ताव है। क्षमता बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बुरूंडी के ऊर्जा मंत्रालय को सौंप दी गई है तथा उसकी टिप्पणियों की प्रतीक्षा है। इस बीच मूल परियोजना पर काम चल रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य :

अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत 2010 में बुरूंडी में टेली-मेडिसीन और टेली-एजुकेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं जिनका उद्देश्य बुरूंडी के डाक्टरों को अपने भारतीय समकक्षों से परामर्श करने में समर्थ बनाना और मरीजों के लिए उच्च कोटि के परामर्श एवं उपचार का सुनिश्चय करना और बुरूंडी के छात्रों के लिए सस्ती लागत पर कोटिपरक शिक्षा का सुनिश्चय करना है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत बुरूंडी के नागरिकों के लिए शिक्षा एवं चिकित्सा उपचार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। 2014 में, कंपाला स्थित भारतीय उच्चायोग, जिसे समवर्ती रूप से बुरूंडी की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, ने बुरूंडी के नागरिकों को 205 चिकित्सा संबंध वीजा जारी किया। पिछले तीन वर्षों में बुरूंडी के छात्रों को 447 छात्र वीजा जारी किए गए।

भारत सरकार बुरूंडी के नागरिकों को सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र से हर साल छात्रवृत्तियों एवं अध्येता वृत्तियों की पेशकश करती है। ताकि वे भारत में पूर्णत: संदत्त अवर स्नातक, स्नातक, स्नात्कोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। 2015 - 16 के दौरान, बुरूंडी को ऐसी 40 छात्रवृत्तियों की पेशकश की जा रही है। इनके अलावा, आई ए एफ एस के तहत बुरूंडी के नागरिकों को अनेक अल्पावधिक पूर्णत: वित्त पोषित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की भी पेशकश की जाएगी।

व्यापार एवं वाणिज्य :

बुरूंडी के साथ भारत का व्यापार बहुत साधारण है तथा 2013-14 के लिए कुल द्विपक्षीय व्यापार 30.89 मिलियन अमरीकी डालर है। व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में बहुत अधिक झुका हुआ है तथा इस अवधि के दौरान भारत की ओर से बुरूंडी को निर्यात का मूल्य 30.71 मिलियन अमरीकी था। ।

तथापि, उम्मीद है कि भारत सरकार द्वारा सबसे कम विकसित देशों (एल डी सी) को प्रदान की गई ड्यूटी फ्री टैरिफ तरजीह (डी एफ टी पी) स्कीम से बुरूंडी को भी लाभ होगा

(मिलियन अमरीकी डालर में)(स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार।

वर्ष	भारत से निर्यात भारत	बुरूंडी से आयात	कुल व्यापार
2013-2014	30.71	0.18	30.89
2012-2013	32.67	0.23	32.90
2011-2012	24.12	0.60	24.72
2010-2011	16.12	0.24	16.36
2009-2010	12.24	0.73	13.37

भारत की ओर से बुरूंडी को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से भेषज पदार्थ एवं रसायन, मशीनरी एवं इंस्ट्रूमेंट, प्लास्टिक एवं लिनोनियम उत्पाद, परिवहन उपकरण, रबर से बने उत्पाद तथा रसायन शामिल हैं। भारत द्वारा बुरूंडी से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से गैर विद्युत मशीनरी, लोहा एवं इस्पात शामिल हैं।

भारतीय समुदाय :

एक अनुमान के अनुसार लगभग 450 पी आई ओ एवं भारतीय नागरिक बुरूंडी में रहते हैं जिनमें से अधिकतर व्यापारी एवं कारोबारी हैं। बुरूंडी सरकार तथा बुरूंडी के नागरिक देश की अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका की सराहना करते हैं। कुछ पी आई ओ को देश में उच्च दर्जा प्राप्त है तथा बुरूंडी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों तक सीधी पहुंच है। बुरूंडी में भारतीय / पी आई ओ की स्वामित्व वाली संस्थाओं द्वारा कुल निवेश 20 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक है। भारतीय / पी आई ओ स्वामित्व वाली कुछ प्रमुख कंपनियां जो बुरूंडी में व्यवसाय कर रही हैं, इस प्रकार हैं - एंजेलिक इंटरनेशनल लिमिटेड (विद्युत क्षेत्र), जैन इरिगेशन सिस्टम लिमिटेड (सिंचाई), लकी एक्सपोर्ट लिमिटेड (कृषि आधारित जिंसो एवं खनिजों का व्यापारी), कोंटेक ग्लोबल बुरूंडी (ई-पासपोर्ट, ई-वीजा, रेजीडेंट परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, राष्ट्रीय पहचान पत्र तथा सभी संबंधित सुरक्षा दस्तावेज), अकगेरा बिजनेस ग्रुप (गोराजिया ब्रदर्स द्वारा स्थापित विविध प्रचालन)। मोटर बाइक एवं आटो रिक्शा की बिक्री के लिए बजाज एवं टीवीएस के बुरूंडी में स्थानीय डीलर हैं। तंदूर एक प्रसिद्ध भारतीय रेस्टोरेंट है जो बुजुम्बुरा में आधारित है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, कंपाला की वेबसाइट :
http://hci.gov.in/kampala/

*****

अगस्त, 2015